Turnitin

Document Details

Submission ID
trn:oid:::3618:89935701

Submission Date
Apr 6, 2025, 2:37 PM UTC

Download Date
Apr 6, 2025, 2:38 PM UTC

File Name
सकउटग_ब०एड०_पठयकरम_क_एक_मजबत_कड़.docx

File Size
54.1 KB

12 Pages

4,315 Words

20,264 Characters

8% Overall Similarity

The combined total of all matches, including overlapping sources, for each database.

Filtered from the Report

- Bibliography

Top Sources

0% Internet sources
0% Publications
8% Submitted works (Student Papers)

Integrity Flags

0 Integrity Flags for Review

No suspicious text manipulations found.

Our system's algorithms look deeply at a document for any inconsistencies that would set it apart from a normal submission. If we notice something strange, we flag it for you to review.

A Flag is not necessarily an indicator of a problem. However, we'd recommend you focus your attention there for further review.

Top Sources

0% Internet sources
0% Publications
8% Submitted works (Student Papers)

Top Sources

The sources with the highest number of matches within the submission. Overlapping sources will not be displayed.

1 Student papers
Jawaharlal Nehru University (JNU) on 2025-02-01 1%

2 Student papers
Saint Leo University on 2023-10-26 <1%

3 Student papers
Lovely Professional University on 2023-06-26 <1%

4 Student papers
Central University of Gujarat on 2017-06-19 <1%

5 Student papers
NPS International School on 2021-02-08 <1%

6 Student papers
CHIREC School on 2021-02-17 <1%

7 Student papers
Pacific University on 2021-06-28 <1%

8 Student papers
Adtalem Global Education on 2024-02-28 <1%

9 Student papers
Central University of Gujarat on 2017-01-17 <1%

10 Student papers
Swami Rama Himalayan University on 2024-01-01 <1%

11 Student papers
Pacific University on 2016-10-20 <1%

12 Student papers
Central University of Gujarat on 2019-04-11 <1%

13 Student papers
Lovely Professional University on 2022-08-04 <1%

14 Student papers
Maulana Azad National Urdu University on 2025-02-12 <1%

15 Student papers
Indian Institute of Public Health Gandhinagar on 2019-06-15 <1%

16 Student papers
Neerja Modi School on 2018-02-09 <1%

17 Student papers
Choithram International School on 2018-09-04 <1%

18 Student papers
Jamnabai Narsee School on 2020-11-24 <1%

19 Student papers
Jawaharlal Nehru University (JNU) on 2022-08-04 <1%

20 Student papers
Oberoi International School on 2018-02-06 <1%

21 Student papers
Pacific University on 2016-03-12 <1%

22 Student papers
Pacific University on 2017-09-22 <1%

23 Student papers
Strawberry Fields High School on 2025-01-29 <1%

24 Student papers
University of Mumbai on 2023-04-25 <1%

25 Student papers
Banaras Hindu University on 2023-01-21 <1%

26 Student papers

Fiji National University on 2021-06-13 <1%

27 Student papers

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration of Management on 2014... <1%

28 Student papers

Rhodes College on 2021-07-02 <1%

29 Student papers

Lovely Professional University on 2021-12-29 <1%

30 Student papers

Rhodes College on 2021-07-02 <1%

स्काउटिंग बी०एड० पाठ्यक्रम का एक मजबूत कड़ी

[1]डॉ० अभिषेख कुमार पाण्डेय

सार: स्काउटिंग का बी0एड0 पाठ्यक्रम में योगदान भविष्य के शिक्षकों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी का भाव, और टीम वर्क जैसे गुणों को विकसित करता है, जो किसी भी शिक्षक के लिए आवश्यक हैं। स्काउटिंग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करती है। इसके माध्यम से छात्र समाज सेवा के महत्व को समझते हैं और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक होते हैं, जिससे वे कक्षा में भी इन मूल्यों को स्थापित कर सकते हैं। स्काउटिंग के विविध कार्य समस्या समाधान, निर्णय लेने की क्षमता, और संकट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कौशल सिखाते हैं, जो शिक्षण पेशे में उपयोगी हैं। व्यावहारिक शिक्षण अनुभव के साथ रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह संचार कौशल को भी विकसित करता है, जिससे शिक्षक छात्रों, अभिभावकों, और सहकर्मियों के साथ प्रभावी संवाद कर सकते हैं। स्काउटिंग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में भी सहायक है, जिससे छात्र अपने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अनुभव करते हैं। इस प्रकार, स्काउटिंग न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि शिक्षकों के पेशेवर जीवन के लिए भी उन्हें तैयार करती है।

मुख्य बिंदु: नेतृत्व क्षमता का विकास, जिम्मेदारी का भाव, टीम वर्क कौशल, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, समाज सेवा और नैतिक मूल्य, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता, संकट प्रबंधन कौशल, व्यावहारिक शिक्षण अनुभव, रचनात्मकता और नवाचार, संचार कौशल का विकास, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और पेशेवर जीवन के लिए तैयारी|

सामान्य परिचय: स्काउटिंग की शुरुआत इंग्लैण्ड निवासी लार्ड वेडेन पावेल द्वारा 1907 में एक प्रयोग के रूप में प्रारम्भ की गई थी। 1908 में उन्होंने इसे व्याय स्काउट (Boy Scout) का रूप दिया और 1910 में इसके साथ गर्ल गाइड (Girl Guide) भी शुरू कर दी। यूं तो वेडेन पावेल एक सैनिक थे परन्तु उन्होंने बच्चों में खेल के माध्यम से सेवा भाव जागृत कर उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनाने की जो स्काउटिंग एण्ड गाडडिंग की योजना प्रस्तुत की है उससे लगता है कि वे बाल मनोविज्ञान के पंडित थे। लार्ड वेडेन ने इसे शैक्षिक खेल की ही संज्ञा दी थी। वर्तमान में यह कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है, लगभग 150 देशों में इसे चलाया जा रहा है। भारत

[1] सह आचार्य, शिक्षा और सुचना विज्ञानं संकाय, अपेक्स प्रोफेसनल यूनिवर्सिटी, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश|

में इसका शुभारम्भ पं० श्री राम बाजपेयी ने 1913 में 'बाल सेवक दल' के नाम से किया था। इसके बाद भारत में इस प्रकार के कई अन्य संगठन भी बने। 17 नवम्बर, 1950 को भारत की इन समस्त स्काउट संस्थाओं का एकीकरण कर 'भारत स्काउट एण्ड गाइड' नाम से एक राष्ट्रीय संगठन बनाया गया और 15 अगस्त, 1951 को 'गर्ल गाइड एसोसिएशन' जो तब तक पृथक थी, उसे भी भारत स्काउट एण्ड गाइड में विलय कर दिया गया। वर्तमान में केवल भारत स्काउट एण्ड गाइड संस्था ही केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा मान्य है। इसका मुख्यालय देहली में स्थित है। यूँ यह एक स्वैच्छिक, गैर सरकारी एवं गैर राजनैतिक संस्था है। परन्तु इसकी उपयोगिता को समझते हुए केन्द्र और प्रान्तीय, दोनों सरकार इसे आर्थिक सहायता देती हैं। स्काउटिंग, जो कि व्यक्तित्व विकास और सामाजिक सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, बी.एड. (बैचलर ऑफ एजुकेशन) पाठ्यक्रम में एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करता है। यह शिक्षकों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है, जिसमें नेतृत्व कौशल, टीम वर्क, जिम्मेदारी, और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।

स्काउटिंग का मूल उद्देश्य छात्रों में न केवल शारीरिक क्षमता विकसित करना है बल्कि उनमें मानसिक और नैतिक परिपक्वता भी लाना है। बी.एड. पाठ्यक्रम के अंतर्गत, जब भविष्य के शिक्षक स्काउटिंग में भाग लेते हैं, तो वे अपनी कक्षा प्रबंधन क्षमताओं को बेहतर बनाते हैं। यह उन्हें विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक और प्रेरणादायक तरीके से जुड़ने की कला सिखाता है।

स्काउटिंग के माध्यम से शिक्षकों को नेतृत्व कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, और संकट प्रबंधन में भी अनुभव प्राप्त होता है। वे गतिविधियों, खेलों, और कैम्पिंग के जरिए बच्चों के व्यवहार और मनोविज्ञान को समझने में सक्षम होते हैं। यह अनुभव उन्हें कक्षा के अंदर और बाहर छात्रों के साथ बेहतर संचार स्थापित करने में मदद करता है।

इसके अलावा, स्काउटिंग पर्यावरण जागरूकता और समाज सेवा के महत्व को भी सिखाता है। यह शिक्षकों को न केवल अपने विकास के प्रति जिम्मेदार बनाता है बल्कि उन्हें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। स्काउटिंग में भाग लेने से आत्मविश्वास, अनुशासन, और कठिनाइयों का सामना करने की क्षमता विकसित होती है। स्काउटिंग एक वैश्विक आंदोलन है जिसका उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व कौशल, अनुशासन, सामाजिक सेवा, और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना है। यह केवल एक गतिविधि नहीं बल्कि एक जीवन जीने का तरीका है जो विभिन्न गुणों के विकास में सहायक होता है। जब इसे बी.एड. (बैचलर ऑफ एजुकेशन) पाठ्यक्रम में एकीकृत किया जाता है, तो यह भविष्य के

शिक्षकों के समग्र विकास के लिए एक मजबूत कड़ी बन जाता है। अंततः, बी.एड. पाठ्यक्रम में स्काउटिंग को शामिल करना न केवल एक शैक्षणिक आवश्यकता है बल्कि यह भविष्य के शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए एक अमूल्य संसाधन है। यह उन्हें न केवल शिक्षाविद् बनाता है बल्कि जिम्मेदार नागरिक और समाज के सक्रिय सदस्य भी बनाता है।

स्काउटिंग का मूल उद्देश्य: स्काउटिंग का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आत्मनिर्भरता, साहस, जिम्मेदारी, नेतृत्व, और सेवा की भावना का विकास करना है। यह न केवल शारीरिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि मानसिक और नैतिक परिपक्वता को भी प्रोत्साहित करता है। स्काउटिंग के माध्यम से व्यक्ति समाज के प्रति संवेदनशील और अपने परिवेश के प्रति जागरूक बनता है। स्काउटिंग का मूल उद्देश्य युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक सकारात्मक और प्रेरक वातावरण प्रदान करना है। स्काउट एण्ड गाइड का मूल मन्त्र है स्वास्थ्य सुख और सहायता प्रदान करना। वर्तमान में इसके उद्देश्य व्यापक रूप ले चुके हैं। उन्हें हम निम्नलिखित रूप में क्रमबद्ध कर सकते हैं- जैसे स्वास्थ्य एवं चरित्र निर्माण, अनुशासित जीवन का निर्माण, निःस्वार्थ सेवाभाव का विकास, समाज एवं राष्ट्र के प्रति आदर भाव का विकास, श्रेष्ठ मानव एवं मूल्यवान नागरिकों का विकास, विश्वबन्धुत्व की भावना का विकास, ईश्वर के प्रति आस्था एवं सम्मान भाव का विकास। इसका लक्ष्य व्यक्तियों में **नेतृत्व कौशल, आत्मनिर्भरता, सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन, और सेवा की भावना** का विकास करना है।

a. व्यक्तित्व विकास: स्काउटिंग का मुख्य उद्देश्य युवाओं के चरित्र और व्यक्तित्व का विकास करना है। यह आत्मविश्वास, साहस, और ईमानदारी जैसे गुणों को बढ़ावा देता है, जिससे व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प के साथ कर सके।

b. नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना: स्काउटिंग के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित किया जाता है। उन्हें यह सिखाया जाता है कि कैसे एक समूह का मार्गदर्शन करना है, निर्णय लेना है, और जिम्मेदारी को संभालना है। यह गुण भविष्य के नेताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

c. सामाजिक सेवा और सामुदायिक जागरूकता: स्काउटिंग का उद्देश्य समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा की भावना का विकास करना है। यह युवाओं को समाज की समस्याओं को समझने और सेवा के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

d. पर्यावरण जागरूकता: स्काउटिंग के माध्यम से युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और उसकी रक्षा करने की जिम्मेदारी विकसित की जाती है। यह उन्हें प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

e. टीम वर्क और सहयोग: स्काउटिंग टीम वर्क के महत्व को सिखाता है। इसमें विभिन्न गतिविधियाँ और खेल शामिल होते हैं, जो सहयोग, आपसी सम्मान, और संचार कौशल को बढ़ाते हैं।

f. आत्मनिर्भरता और समस्या समाधान कौशल: स्काउटिंग युवाओं को आत्मनिर्भर बनना और कठिनाइयों का सामना करना सिखाता है। यह उन्हें समस्या समाधान के लिए तार्किक सोच और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

g. अनुशासन और नैतिक मूल्य: स्काउटिंग के माध्यम से अनुशासन, समय की पाबंदी, ईमानदारी, और अन्य नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित किया जाता है। यह गुण न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि पेशेवर जीवन में भी सफलता के लिए आवश्यक हैं।

बी.एड. पाठ्यक्रम में स्काउटिंग का महत्व: बी.एड. पाठ्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के शिक्षकों को तैयार करना है ताकि वे विद्यार्थियों को सर्वांगीण शिक्षा प्रदान कर सकें। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह शिक्षकों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करता है बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी देता है।

a. **नेतृत्व कौशल का विकास:** स्काउटिंग के माध्यम से शिक्षक उम्मीदवारों को नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है। उन्हें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना, समूहों का प्रबंधन करना, और निर्णय लेना सिखाया जाता है। ये कौशल कक्षा प्रबंधन और विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए आवश्यक हैं।

b. **टीम वर्क और सहयोग:** स्काउटिंग टीम वर्क पर जोर देता है। भविष्य के शिक्षक सीखते हैं कि कैसे सहयोगी वातावरण में काम करना है, टीम के सदस्य के रूप में योगदान देना है, और विभिन्न विचारों का सम्मान करना है। यह कौशल कक्षा में सहपाठियों और छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने में सहायक होता है।

c. **अनुशासन और आत्मनिर्भरता:** स्काउटिंग अनुशासन पर विशेष ध्यान देता है। शिक्षक उम्मीदवार समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, और जिम्मेदारी के महत्व को समझते हैं। यह उन्हें अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में आत्मनिर्भर और अनुशासित बनने में मदद करता है।

d. **सामाजिक सेवा और जिम्मेदारी की भावना:** स्काउटिंग का एक महत्वपूर्ण पहलू समाज सेवा है। शिक्षक उम्मीदवार विभिन्न सेवा परियोजनाओं में भाग लेते हैं, जिससे उनमें

सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। यह गुण उन्हें न केवल अच्छे शिक्षक बल्कि संवेदनशील नागरिक भी बनाता है।

स्काउटिंग के माध्यम से विकसित होने वाले प्रमुख गुण: स्काउटिंग एक जीवन कौशल विकास कार्यक्रम है जो न केवल शारीरिक गतिविधियों पर केंद्रित है बल्कि मानसिक, सामाजिक, और नैतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से व्यक्तियों में कई आवश्यक गुणों का विकास होता है, जो उन्हें जिम्मेदार और सक्षम नागरिक बनने में मदद करते हैं।

a. **साहस और आत्मविश्वास:** स्काउटिंग में विविध चुनौतियाँ और साहसिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जैसे कि कैम्पिंग, ट्रैकिंग, और आउटडोर सर्वाइवल कौशल। इन गतिविधियों के दौरान कठिन परिस्थितियों का सामना करना आत्मविश्वास और साहस का निर्माण करता है। **कैसे विकसित होता है:** अज्ञात परिस्थितियों का सामना करना, जोखिम भरे वातावरण में निर्णय लेना और व्यक्तिगत भय और सीमाओं को पार करना| **परिणाम:** व्यक्ति जीवन की किसी भी चुनौती का आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम बनता है।

b. **संचार कौशल:** स्काउटिंग में समूह गतिविधियाँ, चर्चा सत्र, और टीम वर्क की आवश्यकता होती है, जो प्रभावी संचार कौशल को विकसित करने में मदद करते हैं।
कैसे विकसित होता है: विचारों और राय को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना और गैर-मौखिक संचार (हाव-भाव, चेहरे के भाव) का प्रयोग करना
परिणाम: यह गुण नेतृत्व, सहयोग, और पेशेवर वातावरण में सफलता के लिए आवश्यक है।

c. **समस्या समाधान की क्षमता:** स्काउटिंग में अक्सर ऐसी परिस्थितियाँ आती हैं जो सोच-विचार और त्वरित निर्णय लेने की मांग करती हैं, जैसे कि आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना या जंगल में रास्ता खोजना। **कैसे विकसित होता है:** जटिल समस्याओं का विश्लेषण करना, उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर समाधान निकालना और दबाव में शांत और तार्किक रूप से सोचने की क्षमता| **परिणाम:** व्यक्ति जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रभावी ढंग से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होता है।

d. **पर्यावरण जागरूकता:** स्काउटिंग के माध्यम से प्रकृति के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित होता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित होती है। **कैसे विकसित होता है:** प्रकृति के प्रति सम्मान और देखभाल की भावना, कचरा प्रबंधन और संसाधनों के संरक्षण के महत्व को समझना और पर्यावरणीय अभियानों और

गतिविधियों में भाग लेना| **परिणाम:** यह गुण पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और स्थायी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

e. **नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना:** स्काउटिंग गतिविधियों में नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने से व्यक्ति में जिम्मेदारी और टीम को मार्गदर्शन देने की क्षमता विकसित होती है। **कैसे विकसित होता है:** टीम का नेतृत्व और प्रबंधन करना, निर्णय लेना और उनके परिणामों की जिम्मेदारी लेना और /सहकर्मियों को प्रेरित और उत्साहित करना| **परिणाम:** मजबूत नेतृत्व गुण विकसित होते हैं, जो किसी भी पेशेवर या सामाजिक सेटिंग में सहायक होते हैं।

f. **आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र सोच:** स्काउटिंग युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे वे अपनी निर्णय क्षमता और संसाधनों का कुशलता से प्रबंधन कर पाते हैं। **कैसे विकसित होता है:** व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें पूरा करना, बिना बाहरी मदद के चुनौतियों का सामना करना और रचनात्मक सोच और नवाचार को अपनाना| **परिणाम:** व्यक्ति अपने जीवन के हर क्षेत्र में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनता है।

g. **टीम वर्क और सहयोग:** स्काउटिंग में समूह गतिविधियाँ और परियोजनाएँ होती हैं, जो टीम वर्क के महत्व को स्पष्ट करती हैं। **कैसे विकसित होता है:** सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना, टीम के भीतर विभिन्न विचारों और दृष्टिकोणों का सम्मान करना और सामूहिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए साथ मिलकर काम करना| **परिणाम:** यह गुण न केवल व्यक्तिगत संबंधों में बल्कि पेशेवर करियर में भी सफल होने में मदद करता है।

h. **अनुशासन और समय प्रबंधन:** स्काउटिंग के नियमों और गतिविधियों में समय की पाबंदी और अनुशासन पर विशेष जोर दिया जाता है। **कैसे विकसित होता है:** निर्धारित समय पर कार्यों को पूरा करना, दिनचर्या और लक्ष्य तय करना और जीवन के हर पहलू में अनुशासन बनाए रखना| **परिणाम:** व्यक्ति अपने जीवन को व्यवस्थित और लक्ष्यमुखी बनाता है।

बी.एड. पाठ्यक्रम में स्काउटिंग की गतिविधियाँ: बी.एड. (बैचलर ऑफ एजुकेशन) पाठ्यक्रम में स्काउटिंग एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भविष्य के शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित करता है। ये गतिविधियाँ न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाती हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक, और नेतृत्व कौशल को भी निखारती हैं।

a. **कैंपिंग और आउटडोर गतिविधियाँ**: कैंपिंग और आउटडोर गतिविधियाँ स्काउटिंग का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक स्थिरता, और आत्मनिर्भरता का विकास होता है।

मुख्य गतिविधियाँ: जंगल में कैम्पिंग और ट्रैकिंग, हाइकिंग और नेविगेशन कौशल और जियोग्राफिकल ओरिएंटेशन और सर्वाइवल ट्रेनिंग| **लाभ:** टीम वर्क और सहयोग की भावना विकसित होती है, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है और शारीरिक फिटनेस और मानसिक मजबूती बढ़ती है

b. **नेतृत्व प्रशिक्षण सत्र:** नेतृत्व प्रशिक्षण सत्रों का उद्देश्य भविष्य के शिक्षकों में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। इन सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को यह सिखाया जाता है कि कैसे वे प्रभावी नेता बन सकते हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** नेतृत्व कौशल कार्यशालाएँ, समूह चर्चाएँ और डिबेट्स और रोल-प्ले और निर्णय लेने की सिमुलेशन गेम्स| **लाभ:** आत्मविश्वास और प्रेरक भाषण कौशल का विकास, निर्णय लेने और समस्या समाधान की क्षमता में सुधार और जिम्मेदारी और टीम प्रबंधन के गुणों का विकास

c. **सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ:** स्काउटिंग का एक प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा की भावना विकसित करना है। सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ शिक्षकों को समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराती हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** पर्यावरण सफाई अभियान, रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम और अनाथालय और वृद्धाश्रम में सेवा कार्य| **लाभ:** सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का विकास, सामुदायिक मुद्दों के प्रति जागरूकता और सहानुभूति और दयालुता का विकास

d. **प्राकृतिक आपदाओं का प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण:** प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण से भविष्य के शिक्षक आपातकालीन स्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार होते हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** प्राथमिक चिकित्सा कौशल कार्यशालाएँ, आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए सिमुलेशन अभ्यास और आपदा प्रबंधन की योजना और क्रियान्वयन| **लाभ:** संकट प्रबंधन और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि, आपातकालीन परिस्थितियों में नेतृत्व और सहायता प्रदान करने की तैयारी और प्राथमिक चिकित्सा कौशल के जरिए जीवन रक्षक क्षमताओं का विकास

e. **साहसिक और खेल गतिविधियाँ:** स्काउटिंग के अंतर्गत विभिन्न साहसिक खेलों और गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जो मानसिक और शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** रॉक क्लाइंबिंग और ज़िप लाइन, कैनोइंग और राफ्टिंग

और ट्रैकिंग और ओरिएंटियरिंग| **लाभ:** साहस और आत्मनिर्भरता का विकास, शारीरिक फिटनेस और सहनशक्ति में सुधार और मानसिक दृढ़ता और तनाव प्रबंधन

f. **सांस्कृतिक और कला गतिविधियाँ:** स्काउटिंग में सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी महत्वपूर्ण होती हैं, जो रचनात्मकता और कला के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देती हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** लोक कला और नृत्य प्रतियोगिताएँ, संगीत और नाटक कार्यशालाएँ और कहानी सुनाने और कविता लेखन प्रतियोगिताएँ| **लाभ:** रचनात्मक सोच और कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास, आत्मविश्वास और सार्वजनिक बोलने के कौशल में वृद्धि और सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान और समझ

g. **पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम:** पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता अभियान स्काउटिंग के महत्वपूर्ण हिस्से हैं, जो स्थायी जीवन के महत्व को उजागर करते हैं। **मुख्य गतिविधियाँ:** वृक्षारोपण अभियान, प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान और जल संरक्षण और सतत विकास पर कार्यशालाएँ| **लाभ:** पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का एहसास, सतत विकास और संरक्षण के महत्व को समझना और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की आदत विकसित करना|

स्काउटिंग और शिक्षक की भूमिका: एक अच्छा शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान नहीं करता बल्कि अपने छात्रों के लिए आदर्श भी बनता है। स्काउटिंग शिक्षक को यह सिखाता है कि कैसे अपने कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए। शिक्षक अपने अनुभवों और सीखे गए गुणों को अपने विद्यार्थियों तक पहुँचाते हैं, जिससे वे भी जिम्मेदार और सक्षम नागरिक बनते हैं। स्काउटिंग एक ऐसा कार्यक्रम है जो भविष्य के शिक्षकों के व्यक्तित्व, नेतृत्व, और सामाजिक जिम्मेदारी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल शिक्षण कौशल बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को भी सिखाता है। शिक्षक और स्काउटिंग के मध्य संबंध को इस तरह से समझा जा सकता है, जैसे:

अ. **नेतृत्व कौशल का विकास:** स्काउटिंग में टीम का नेतृत्व करने, निर्णय लेने और समस्या समाधान की जिम्मेदारी दी जाती है, जिससे शिक्षक नेतृत्व क्षमता में निपुण बनते हैं। यह कौशल कक्षा प्रबंधन और छात्रों को प्रेरित करने में सहायक होता है।

आ. **सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना:** सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से शिक्षक समाज के प्रति संवेदनशील बनते हैं। यह गुण शिक्षकों को छात्रों में सेवा भावना और सामाजिक जागरूकता फैलाने में मदद करता है।

इ. **आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास:** स्काउटिंग गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करने से शिक्षक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरपूर बनते हैं। यह उन्हें पेशेवर जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

ई. **टीम वर्क और सहयोग:** टीम गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक सहयोग और आपसी सम्मान के महत्व को समझते हैं। यह कौशल छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने में सहायक होता है।

उ. **अनुशासन और नैतिक मूल्य:** स्काउटिंग अनुशासन, ईमानदारी, और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को सिखाता है। शिक्षक अपने आचरण के माध्यम से छात्रों के लिए आदर्श बनते हैं।

ऊ. **पर्यावरण जागरूकता:** स्काउटिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित होती है। शिक्षक और छात्र दोनों सतत विकास और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्काउट एण्ड गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम सामान्यतः निम्नलिखित तीन स्तरों में चलाया जाता है-

1. कब/बुलबुल (7 से 11 वर्ष तक के बालक/बालिकाओं के लिए): कब/बुलबुल का प्रेरक वाक्य है- भरसक कोशिश करो। यह स्काउट एण्ड गाइड कार्यक्रम की सबसे पहली सीढ़ी है। कब और बुलबुल से यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी भी कार्य को करने की कोशिश करें। इस प्रशिक्षण द्वारा उन्हें यह अनुभव कराया जाता है कि प्रयत्न से कोई भी कार्य किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से ईश प्रार्थना, राष्ट्रगान, निनाद एवं खेल-कूद के माध्यम से बच्चों में ईश्वर एवं राष्ट्र के प्रति सम्मान भाव पैदा किया जाता है, उनको स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया जाता है, उनमें कार्य करने के प्रति साहस उत्पन्न किया जाता है और उन्हें टोली प्रणाली द्वारा सामूहिक रूप से कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

2. **स्काउट/गाइड (12 से 18 वर्ष तक के किशोर/किशोरियों के लिए):** स्काउट/गाइड का प्रेरक वाक्य है तैयार रहो। प्रत्येक स्काउट और गाइड से यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी भी समय किसी भी प्रकार के समाज सेवा, राष्ट्र सेवा और साहसिक कार्य करने के लिए तैयार रहें। वर्तमान में भारत में इस स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों का समावेश किया गया है- विभिन्न धर्मों की प्रार्थना,. व्यायाम,. सूर्य नमस्कार,. सिगनेलिंग,. राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान,. हाथों के संकेत,. सीटी के संकेत, पी. टी., फुर्ती हेतु क्रमबद्ध चलना, ड्रिल कमाण्ड्स, प्राकृतिक अध्ययन, शिविर जीवन, टोली संगठन, नेतृत्व प्रशिक्षण, राष्ट्रध्वज

19

सम्मान, भोजन बनाना, स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्य, प्राथमिक चिकित्सा, प्रौढ़ शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, वृक्षारोपण, समाज सेवा कार्य, मेलों में सेवा कार्य, हस्तकौशल, रोजगार परक कार्य, परिस्थितिनुसार अन्य कार्य। स्काउट एण्ड गाइडों को इन सबका प्रशिक्षण शिविर जीवन, टोली प्रणाली, ईश प्रार्थना, राष्ट्रगान, खेल-कूद, निनाद, विचारगोष्ठी, समाज सेवा कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा दिया जाता है।

3. रोवर/रेंजर (18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवक/युवतियों के लिए): रोबर/रेंजर का प्रेरक वाक्य है-सेवा करो। यह स्काउट एण्ड गाइड कार्यक्रम का उच्चतम प्रशिक्षण है। रोबर/रेंजरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्काउटों/गाइडों के समस्त गुणों और कौशलों के साथ-साथ कठिन से कठिन परिस्थितियों में सेवा के लिए तैयार रहें| समाज, राष्ट्र और संसार के किसी भी क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति में अपनी सेवाएँ दें, महिलाओं का सम्मान करें और इस प्रकार स्वस्थ, सुखी और सहयोगी (Healthy, Happy and Helpful) नागरिक बनें। रोबर/रेंजरों को यह प्रशिक्षण शिविर जीवन, टोली प्रणाली, खेल-कूद, भ्रमण, ऊँचे-नीचे मार्गों पर चलने, दौड़ने व कूदने, चट्टानों पर चढ़ने, पहाड़ों पर चढ़ने, पानी में तैरने, पानी में गोता लगाने और कठिन परिस्थितियों (आग लगने एवं बाढ़ आने आदि) में समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा कार्यों में भाग लेने द्वारा दिया जाता है। विशेष काम के आधार पर अच्छे स्काउट, गाइड, रोबर और रेंजरों का चयन किया जाता है और भिन्न-भिन्न चयन प्रक्रियाओं में गुजरने के बाद उन्हें प्रान्तीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जम्बूरियों (स्काउट सम्मेलनों) में भाग लेने के अवसर दिए जाते हैं। साथ ही देश-विदेश में भ्रमण के अवसर भी दिए जाते हैं।

प्रमाणपत्र: स्काउट एण्ड गाइड कार्यक्रम के भिन्न-भिन्न प्रशिक्षणों के लिए तत्सम्बन्धी प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। साथ ही कुछ दक्षता प्रमाणपत्र और भिन्न-भिन्न अवसरों पर विशेष कार्य करने पर तत्सम्बन्धी प्रमाण पत्र भी दिए जाते हैं।

प्रोत्साहन: वर्तमान में हमारे देश में इस कार्यक्रम को गति देने के लिए कुछ प्रोत्साहन की भी व्यवस्था है। कुछ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय स्काउट सर्टिफिकेटों पर अभिभार दिया जाता है। कुछ विशेष सेवाओं में चयन के समय भी स्काउट सर्टिफिकेटों पर अभिभार दिया जाता है। अच्छे स्काउट कार्यकर्ताओं को कई स्तर के पदक प्रदान किए जाते हैं। इनमें राष्ट्रपति पदक तक की व्यवस्था है। स्काउटिंग को बी.एड. (बैचलर ऑफ एजुकेशन) पाठ्यक्रम में एक मजबूत कड़ी के रूप में शामिल किया जाता है क्योंकि यह शिक्षक प्रशिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों के चरित्र

4

निर्माण, नेतृत्व कौशल, और सामाजिक जिम्मेदारी को भी विकसित करता है। इसके कुछ मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

1. **नेतृत्व कौशल का विकास::** स्काउटिंग के माध्यम से भविष्य के शिक्षक नेतृत्व गुणों को विकसित कर सकते हैं। यह विद्यार्थियों को टीम का नेतृत्व करने, निर्णय लेने और संकट प्रबंधन में सक्षम बनाता है।
2. **चरित्र निर्माण और मूल्य शिक्षा:** स्काउटिंग में ईमानदारी, जिम्मेदारी, सेवा भावना, और सच्चाई जैसे गुणों पर बल दिया जाता है, जो एक अच्छे शिक्षक के लिए अनिवार्य हैं।
3. **सामाजिक और नैतिक जागरूकता:** स्काउटिंग गतिविधियों के माध्यम से छात्र समाज के प्रति जागरूकता और नैतिक मूल्यों को अपनाते हैं। यह उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण बनाता है।
4. **शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य:** स्काउटिंग में शारीरिक गतिविधियाँ, साहसिक कार्य और प्रकृति के साथ संबंध मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। यह गुण शिक्षकों के लिए भी महत्वपूर्ण है।
5. **समस्या समाधान और आलोचनात्मक सोच:** स्काउटिंग के दौरान छात्रों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी समस्या समाधान क्षमता और आलोचनात्मक सोच का विकास होता है।
6. **सामुदायिक सेवा और टीम वर्क:** स्काउटिंग में टीम वर्क और समुदाय सेवा पर जोर दिया जाता है, जो शिक्षक के पेशेवर जीवन में सहयोग और टीम निर्माण के लिए आवश्यक है।
7. पर्यावरण जागरूकता: प्रकृति के साथ जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी स्काउटिंग का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

निष्कर्ष: बी.एड. पाठ्यक्रम में स्काउटिंग एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करता है, क्योंकि यह न केवल शिक्षा के पेशेवर कौशल को निखारता है बल्कि छात्रों के जीवन दृष्टिकोण को भी समृद्ध करता है। स्काउट एण्ड गाइड एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाला समाज सेवा, राष्ट्र सेवा एवं विश्व रोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसका प्रशिक्षण कम/मुलबुल के रूप में 7 वर्ष की आयु के बालक/बालिकाओं से ही शुरू हो जाता है। यदि बच्चों ने इस आयु पर भाईचारे और समाज सेवा के भाव सही ढंग से जागृत कर दिए जाते हैं तो चे जीवन भर इसका पालन करते हैं। इससे आगे के प्रशिक्षण स्काउट/गाइड द्वारा किशोर / किशोरियों में यह सेवा भाव सक्रिय

रूप ले लेता है। जहाँ स्काउट/गाइड कार्यक्रम सच्चे मन और सही ढंग से चलाए जाते हैं वहाँ स्काउट/गाइड सेवा करते नजर आते हैं। रोबर रेंजर का प्रशिक्षण अपेक्षाकृत बहुत कम व्यक्ति लेते हैं परन्तु जो लेते हैं वे अपने जीवन को भी खतरे में डालकर दूसरों का जीवन बचाते हैं। परन्तु जहाँ और जिस स्तर पर भी स्काउटिंग/गाइडिंग को अनिवार्य किया गया है वहीं इसकी केवल खानापूरी होती है। यह एक स्वैच्छिक कार्यक्रम है, इसे स्वैच्छिक रूप से ही चलाया जाना चाहिए। स्काउटिंग एक ऐसा जीवन कौशल विकास कार्यक्रम है जो शिक्षकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी, और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए भी एक प्रभावी साधन है। स्काउटिंग के माध्यम से शिक्षक आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, और निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण गुणों को अपनाते हैं। यह उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करने और समस्याओं के समाधान के लिए सक्षम बनाता है। नेतृत्व प्रशिक्षण और टीम वर्क गतिविधियों के जरिए वे कक्षा प्रबंधन, छात्रों को प्रेरित करने और प्रभावी शिक्षण विधियों को लागू करने में कुशल बनते हैं। इसके अलावा, सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ और पर्यावरण जागरूकता अभियान शिक्षकों में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा की भावना को विकसित करते हैं। ये गतिविधियाँ उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाती हैं, जो अपने छात्रों में भी यही गुण विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं। स्काउटिंग अनुशासन, ईमानदारी, और नैतिक मूल्यों पर जोर देता है, जिससे शिक्षक अपने कार्यों के माध्यम से छात्रों के लिए आदर्श बनते हैं। यह गुण न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि पेशेवर जीवन में भी सफलता के लिए आवश्यक हैं। अंततः, स्काउटिंग शिक्षकों को न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए तैयार करता है, बल्कि उन्हें समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जिम्मेदार और प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में भी विकसित करता है। यह उनके जीवन को समृद्ध बनाता है और उन्हें अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।